साक्षात्कार

क्या आप "द ब्रिज" ("The Bridge") परियोजना के पीछे के विचार के बारे में कुछ और बतायेंगे?

इस गीत की व्याख्या करते हुए मैंने इसके जन्म के बारे में बहुत सीधे–सादे तरीके से बताया था। वह इसलिए क्योंकि किसी विचार के जन्म के पीछे आमतौर पर बहुत लंबा, जटिल और कुछ अनजाना–सा इतिहास होता है। मैं उसमें बहुत गहरे तक नहीं जाना चाहता था।

मैं गीत लिख रहा था, जब मुझे यह विचार आया। लेकिन उसी समय मैं अपने बच्चों को बड़ा करने में लगा हुआ था, दुनिया भर में फैली उलझनों की खबरें जान रहा था और बहुत बार यह भी सोचता था कि सब कुछ कैसे एक–दूसरे से जुड़ा हुआ है।

आप एक "खुले सकारात्मक गीत" की बात करते हैं। क्या आप इस गीत के बारे में कुछ और बतायेंगे?

इसमें मुझे बहुत समय लगा। एक तरह से कई वर्ष लग गये। पहले मैंने इसे कुछ अलग तरह से लिखा था, लेकिन अंतिम क्षणों में, जब अनुवादकों ने काम शुरू भी कर दिया था, तब मैंने अचानक कुछ ही मिनटों में इसे दोबारा लिखा..... मुझे लगता है कि मुझे ज्यादा कठिनाई इस बात की हुई कि मुझे ऐसे लोगों के लिए लिखना था – जिन्हें मैं जानता तक नहीं थाः पूरी दुनिया के लिए, उसकी तमाम सांस्कृतिक विविधताओं के साथ। मुझे लगता है कि यह मेरी पसंद का तब बना जब मैंने उद्देश्य को भूलकर, सिर्फ "अपने लिए" इसे लिखा..... मुझे आशा है कि इस गीत से लोगों के लिए संभावनाओं के द्वार खुलेंगे और यह वाकई एक पुल बनेगा...

जैसाकि आप भी बनने की उम्मीद रखते हैं? आप अपने को "पुल" कहते हैं ... इस छद्‌म नाम की क्या जरूरत है?

वो तो... इस संदर्भ में तो यह इस गीत के लिए है। या बल्कि इस गीत के बारे में भी उतना नहीं जितना कि एक–दूसरे को जानने के बारे में है। और यह "साहस" के बारे में भी हैः जब आप ऐसा कोई काम शुरू करते हैं तो क्या होता है। इस योजना को "शुरू" करने की मेरी कोशिश को भूल जायें तो इसमें मेरा कोई खास हाथ नहीं है। मुझे लगता है कि यह अपनी राह पर अपने आप बढ़ता जायेगा। मैं निश्चित तौर पर कोई ऐसा विख्यात कलाकार तो हूँ नहीं, जिसका चेहरा ही सफलता के लिए काफी हो। संक्षेप में कहूँ तो मैं इसके रास्ते में नहीं आना चाहूँगा।

आपने "योजना को शुरू करने" की बात की है। आपने इस ओर लोगों का ध्यान दिलाने के लिए क्या करते हैं?

मैं मेल के जरिये लोगों तक पहुँचने की कोशिश करना चाहता हूँ। और मैं संगीत की सेवा में लगी संस्थाओं को भी इस ओर आकृष्ट करने की आशा करता हूँ। इसके अलावा मैं इस मौके का फायदा उठाकर बहुत से ऐसे लोगों से भी संपर्क करना चाहता हूँ जो मेरी राय में बहुत अच्छे हैं।

जहाँ तक... बाकी लोगों का सवाल है... मुझे लगता है कि मैं बोतलों में अपने संदेश लिखकर उन्हें समुद्र में फेंकने जा रहा हूँ। मैं नहीं जानता कि वो बोतलें आखिर कहाँ पहुँचेंगी मैं तो यह भी नहीं जानता कि कौन से लोग इस तरह के काम से जुड़ना चाहेंगे और कौन नहीं।

आप की बातों से लगता है कि आप अपने को किनारे खड़े व्यक्ति की तरह समझते हैं। आप भविष्य में इस काम में कितनी भागीदारी निभायेंगे?

पता नहीं... मैं शायद किनारे खड़ा आदमी भी नहीं हूँ। मुझे ऐसा लगता है कि आगे चलकर कुछ ऐसा होने वाला है जो अभी मेरी दृष्टि से परे है। जरा सोचिये... इस गीत के शायद कुछ ऐसे भी अनुवाद होंगे जिन्हें मैं पहचान भी नहीं सकूँगा... इसके अलावा मैं एक लाइब्रेरियन हूँ, मेरा एक परिवार है.... इस समय तो मैं बस इतना ही कह सकता हूँ किः आगे क्या होगा यह समय ही बतायेगा।

क्या आप हमें कुछ और भी बताना चाहेंगे?

हाँ... मुझे आशा है कि जो लोग इस गीत को सुरों में बाँधेंगे, वे जरूरत पड़ने पर इसमें कलात्मक फेरबदल भी करेंगे।